

सुकुलवेद पुं. (तद्.) एक प्रकार का वृक्ष, बेंत।  
 सुकूत पुं. (अर.) मौन, चुप्पी, नीरवता, खमोशी।  
 सुकूनत स्त्री. (अर.) निवास, वास, रिहाइश।  
 सुकृत वि. (तत्.) भाग्यवान्, धर्मशील (काम) जो अच्छे ढंग से किया गया हो (कृति) जो बहुत बढ़िया बनाई गई हो पुं. 1. पुण्य 2. दान 3. उत्तम कार्य, सत्कर्म।  
 सुकृत कर्मा पुं. (तत्.) धर्मात्मा या पुण्यात्मा व्यक्ति।  
 सुकृत व्रत पुं. (तत्.) व्रत विशेष, जो प्रायः द्वादशी के दिन किया जाता है।  
 सुकृतात्मा वि. (तत्.) धर्मात्मा, शीलवान्, पुण्य कर्म करने की जिसकी वृत्ति हो।  
 सुकृति स्त्री. (तत्.) अच्छी कृति, शुभ कार्य, अच्छा काम, पुण्य, सत्कर्म, तपस्या।  
 सुकृतित्व पुं. (तत्.) सुकृति का भाव या धर्म।  
 सुकृती वि. (तत्.) भली-भाँति कार्य करने वाला, सत्कर्म करने वाला, धार्मिक, पुण्यशील, भाग्यवान्, बुद्धिमान।  
 सुकृत्य पुं. (तत्.) उत्तम कार्य, सत्कर्म।  
 सुकेत पुं. (तत्.) आदित्य, सूर्य वि. उदारशय।  
 सुकेतु वि. (तत्.) सुंदर केशों या बालों वाला पुं. 1. चित्रकेतु राजा का एक नाम 2. ताड़का राक्षसी के पिता का नाम 3. वह जो पशु-पक्षियों तक की बोली समझता हो 4. सगर का एक पुत्र।  
 सुकेश वि. (तत्.) घने, लंबे और सुंदर केशों वाला, उत्तम केशों वाला, जिसके बाल सुंदर हो पुं. एक राक्षस।  
 सुकेशा वि. (तत्.) सुंदर केशों वाली, घने, लंबे और बहुत अच्छे, बालों वाली, सुकेशिनी।  
 सुकेशि पुं. (तत्.) विधुत्केश राक्षस का पुत्र तथा माल्यवान्, सुमाली और माली नामक राक्षसों का पिता।  
 सुकेशी स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर अर्थात् घने और लंबे बालों वाली स्त्री 2. एक अप्सरा, एक सुरांगना।

सुकेसर पुं. (तत्.) 1. सिंह, शेर 2. बिरौजा नीबू, बदीजपूर 3. दो प्रकार के वृत्त।  
 सुक्कान पुं. (अर.) नाव की पतवार, 'साकिन' का बहु।  
 सुक्कानी पुं. (अर.) पतवार थामने वाला, मल्लाह, माझी।  
 सुक्की वि. (तद्.) अपना, निजी उदा. 'ए बार सुर बंदहु नहिं बंधि लेहु सुक्की बधुअ' -चंदबरदाई।  
 सुक्ख पुं. (देश.) सुख।  
 सुक्त पुं. (तत्.) एक प्रकार की काँजी।  
 सुक्ता स्त्री. (तत्.) इमली।  
 सुक्ति पुं. (तत्.) एक प्राचीन पर्वत स्त्री. सीप।  
 सुक्र पुं. (तद्.) अग्नि (डि.) वि.प्र. शुक्र।  
 सुक्रत पुं. (तद्.) सुकृत।  
 सुक्रति पुं. (तद्.) सुकृति।  
 सुक्रतु वि. (तत्.) सत्कर्म करने वाला, पुण्यशील पुं. 1. अग्नि 2. शिव 3. इंद्र 4. सूर्य 5. सोम 6. वरुण।  
 सुक्रिया स्त्री. (तद्.) स्वकीया नायिका।  
 सुक्ल वि. (तद्.) शुक्ल।  
 सुक्षत्र वि. (तत्.) 1. बहुत बड़ा धनवान् 2. बहुत बड़ा राज्यशाली, विस्तृत राज्य वाला 3. बलवान्, शक्तिशाली 4. अच्छा शासन करने वाला।  
 सुक्षिति स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर निवास स्थान 2. उक्त प्रकार के स्थान में रहने वाला व्यक्ति 3. वह जो धन, धान्य और संतान से बहुत सुखी हो।  
 सुक्षेत्र वि. (तत्.) 1. उत्तम क्षेत्रों वाला 2. जिसका जन्म अच्छे गर्भ से हुआ हो पुं. 1. उत्तम क्षेत्र 2. ऐसा घर जिसके दक्षिण, पश्चिम और उत्तर की ओर दीवारें या मकान हों और जो पूर्व की ओर से खुलता हो 3. दसवे मनु का एक पुत्र।  
 सुखंकर वि. (तत्.) सुकर, सहज, सुखकर।